सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 44 | इंदौर, बुधवार 27 अगस्त, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

भारतीय संस्कृति में यदि किसी एक देवता का स्मरण सबसे पहले किया जाता है, तो वे हैं श्री गणेश। वे केवल एक देवता नहीं, बल्कि जीवन दर्शन, आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। उनका स्वरूप, उनके अस्त्र-शस्त्र, उनका वाहन, उनका नाम - सब कुछ गहन प्रतीकात्मकता से परिपूर्ण है। वे विघ्नहर्ता, बुद्धि के अधिपति और सिद्धि के दाता हैं। इस लेख में, हम धार्मिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक और व्यक्तिगत जीवन में श्री गणेश जी के प्रभाव को विस्तार से समझने का प्रयास करेंगे।

श्री गणेश: भारतीय संस्कृति में जीवन दर्शन

गणेश जी का स्मरण करें, और जीवन को शुभ आरंभ दें।

भारतीय धार्मिक परंपरा में श्री गणेश जी की पूजा का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। कोई भी शुभ कार्य उनके नाम से ही आरंभ होता है - चाहे वह विवाह हो, गृहप्रवेश हो, व्यवसाय आरंभ करना हो या कोई भी साधना। ऐसा माना जाता है कि श्री गणेश जी का स्मरण करने से विघ्न दूर होते हैं और कार्य सफलता की ओर अग्रसर होता है।

अंकुश: मन पर नियंत्रण का प्रतीक
पाश: सांसारिक बंधनों से मुक्ति का प्रतीक
मोदक: साधना और आध्यात्मिक आनंद का फल
अभय मुद्रा: निर्भयता और आश्वासन की अनुभूति
मूषक वाहन: इच्छाओं और अहंकार पर नियंत्रण

भगवान गणेश की पूजा में दूर्वा, लाल पुष्प, मोदक और गणपति अथर्वशीर्ष का विशेष महत्व है। गणेश चतुर्थी पूरे भारत में, विशेषकर महाराष्ट्र में, बड़ी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाती है, और इसने एक सामाजिक आंदोलन का रुप ले लिया है।

श्री गणेश केवल मंदिरों तक ही सीमित नहीं हैं - वे लोक जीवन में गहराई से समाए हुए हैं। उनकी मूर्ति, चित्र या प्रतीक भारत के हर कोने में किसी न किसी रुप में विद्यमान हैं। वे एक लोक देवता हैं - जन-जन के आराध्य।

गणेशोत्सव: लोकमान्य तिलक द्वारा शुरु किया गया सामाजिक उत्सव।

कला और शिल्प: चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत और नृत्य में गणेश की प्रेरणा।

लोकगीत और कहानियाँ: ग्रामीण भारत में, गणेश की कहानियाँ बच्चों को नैतिक शिक्षा देती हैं।

व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में प्रतिष्ठा: शुभता और सफलता के प्रतीक के रुप में।

गणेश का स्वरुप कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत और भक्तों के लिए श्रद्धा का केंद्र है।

श्री गणेश का स्वरुप अत्यंत प्रतीकात्मक है। उनका हाथी जैसा सिर ज्ञान और विवेक का प्रतीक है, जबकि उनका बड़ा पेट सहिष्णुता और समावेशिता का प्रतीक है। उनकी चार भुजाएँ जीवन के चार आयामों - धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष - का प्रतिनिधित्व करती हैं।

प्रतीक

हाथी का सिर - प्रचंड बुद्धि और स्मरण शक्ति।
बड़ा पेट - सहिष्णुता और समावेशिता।

"वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव शुभकार्येषु सर्वदा॥"

चूहा - इच्छाओं पर नियंत्रण।
मोदक - साधना का फल।
अभय मुद्रा - निर्भयता और करुणा।

उनका एक दाँत त्याग और एकाग्रता से प्राप्त सफलता का प्रतीक है। उनका वक्रतुंड रुप सभी विकृतियों और बाधाओं को नष्ट करने की शक्ति का प्रतीक है।

श्री गणेश का स्मरण केवल एक धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना है। वे जीवन के हर मोड़ पर मार्गदर्शक बनते हैं - चाहे वह शिक्षा हो, व्यवसाय हो, पारिवारिक जीवन हो या आध्यात्मिक प्रगति।

निर्णय लेना: बुद्धि और विवेक
सहिष्णुता: संघर्षों में संतुलन बनाए रखना
अनुशासन: नियमितता और समर्पण
भक्ति: आध्यात्मिक ऊर्जा और प्रेरणा
सेवा भावना: समाज के प्रति उत्तरदायित्व

गणेश जी का स्मरण करने से आत्मविश्वास, शांति और सफलता प्राप्त होती है। वे हमें सिखाते हैं कि बाधाओं से डरना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें बुद्धि और भक्ति से पार करना चाहिए।

श्री गणेश को बुद्धि का देवता माना जाता है। वे महाभारत के रचयिता हैं - उन्होंने व्यास जी के वचनों को बिना रुके लिखा, जिससे पता चलता है कि वे सुनने, याद रखने और लिखने में अद्वितीय हैं। विद्यार्थी, लेखक, कलाकार और विचारक गणेश जी की पूजा करते हैं - क्योंकि वे ज्ञान, स्मृति और बुद्धि के स्रोत हैं।

श्री गणेश का स्वरुप ध्यान, जप और साधना में अत्यंत प्रभावशाली है। उनका ध्यान मन को शांत, स्थिर और एकाग्र बनाता है। गणपति ध्यान मंत्र, गणेश गायत्री* और गणेश स्तोत्र साधकों को आध्यात्मिक प्रगति की ओर ले जाते हैं।

गणेश जी का ध्यान साधक को आत्मा की गहराइयों तक ले जाता है, जहाँ शांति, प्रकाश और सत्य का अनुभव होता है।

श्री गणेश जी भारतीय संस्कृति के आध्यात्मिक स्तंभ हैं। वे केवल एक देवता ही नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में मार्गदर्शक हैं। उनका स्मरण हमें सिखाता है कि ज्ञान, भक्ति और सेवा से हम जीवन की हर बाधा को पार कर सकते हैं। वे हमें एक संतुलित, विवेकपूर्ण और सफल जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं।

आज के समय में, जब व्यक्ति आंतरिक अशांति, बाह्य संघर्षों और सामाजिक जटिलताओं से जूझ रहा है, श्री गणेश जी के दर्शन और उनका मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है। वे हमें सिखाते हैं कि यदि हम जीवन में भक्ति, अनुशासन और सेवा को अपनाएँ, तो हर शुरुआत शुभ हो सकती है।

श्री गणेश जी भारतीय संस्कृति के आध्यात्मिक स्तंभ हैं। वे केवल एक देवता ही नही, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में मार्गदर्शक हैं। उनका स्मरण हमें सिखाता है कि ज्ञान, भक्ति और सेवा से हम जीवन की हर बाधा को पार कर सकते हैं। वे हमें एक संतुलित, विवेकपूर्ण और सफल जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं।

आज के समय में, जब व्यक्ति आंतरिक अशांति, बाह्य संघर्षों और सामाजिक जटिलताओं से जूझ रहा है, श्री गणेश जी के दर्शन और उनका मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है। वह हमें सिखाते हैं कि यदि हम जीवन में विश्वास, अनुशासन और सेवाभाव अपना लें तो हर शुरुआत शुभ हो सकती है।

(बाबापण्डित)
अनुष्ठानकर्ता-हरिकथा प्रेमी
www.babapandit.com

बैठक में जुटे सैकड़ों व्यापारी

सराफा चौपाटी हटाने की मांग तेज

अध्यक्ष बोले- हम देखते हैं कैसे सराफा में लगती है चौपाटी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सराफा चौपाटी को शिफ्ट करने का मामला तूल पकड़ लिया है। मंगलवार को इंदौर चांदी-सोना जवाहरात एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने व्यापारियों के साथ बैठक की। बैठक में व्यापारियों को बताया गया कि चौपाटी शिफ्ट करने को लेकर एसोसिएशन अब तक क्या कर चुकी है और आगे क्या करने जा रही है। इस बैठक में बड़ी संख्या में सराफा व्यापारी एकत्र हुए। बैठक में व्यापारियों को शपथ पत्र भी वितरित किए गए, जिन्हें भरकर वे एसोसिएशन को वापस लौटाएंगे। कई व्यापारियों ने भरकर लौटाना भी शुरू कर दिए हैं।

पिछले कई दिनों से सराफा चौपाटी को शिफ्ट करने की मांग की जा रही है। इसको लेकर व्यापारियों की महापौर के साथ बैठक भी हो चुकी है, लेकिन उनके निर्णय से व्यापारी संतुष्ट नहीं है। व्यापारियों की मांग है कि सराफा चौपाटी को यहां से शिफ्ट कर दिया जाए और उन्हें ऐसे जगह शिफ्ट करें जहां ग्राहकों को भी दिक्कत ना हो। एसोसिएशन अध्यक्ष हुकुम सोनी ने कहा कि हमने आज भी व्यापारियों से कह दिया है कि चौपाटी के लिए अपनी जगह किराए से ना दे। उसके लिए हमें सहयोग दे। फिर हम देखते हैं कैसे सराफा में चौपाटी लगती है। सभी व्यापारियों ने समर्थन दिया है। व्यापारियों की एक ही मंशा है कि सराफा में चौपाटी ना लगे। व्यापारियों का भी यही कहना है कि सराफा से चौपाटी हटाओ और सराफा को बचाओ। हुकुम सोनी ने बताया कि विरोध जताते हुए आगामी दिनों में व्यापारी अपनी-अपनी दुकानों पर काली पट्टी बांधकर काम करेंगे। गुरुवार से सराफा में सोने-चांदी की दुकानें रात 10 बजे तक खुली रहेंगी। उसके बाद भी हमें लगता है तो हम अपना व्यापार रात 12 बजे तक खुला रखेंगे, यानी रात 12 बजे तक दुकानें खुली रहेगी। इधर, जिन दुकानों के बाहर की जगह व्यापारियों ने किराए पर चौपाटी के लिए दी है। उन्हें एक फॉर्म दिया गया है। जिसमें लिखा है कि एसोसिएशन के अभियान चौपाटी मुक्त सराफा का समर्थन करता हूं। मैं बिना किसी के दबाव में ये निश्चय कर चुका हूं कि 1 सितंबर से अपनी दुकान/कॉम्प्लेक्स के बाहर किसी भी तरह की दुकान चौपाटी को संचालित नहीं होने दूंगा। ये फॉर्म व्यापारियों द्वारा भरकर पदाधिकारियों को दिया जा रहा है। साथ ही पदाधिकारियों के सामने ही संबंधित चौपाटी वालों को कॉल भी किए जा रहे हैं।

इंदौर में मांस बिक्री प्रतिबंधित

गणेश चतुर्थी, डोल ग्यारस, अनंत चतुर्दशी, पयूर्षण पर्व के पहले व आखरी दिन रहेगा प्रतिबंध

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। आगामी त्यौहारों को देखते हुए इंदौर नगरीय निकाय सीमा में आने वाली सभी मांस एवं मटन की दुकानों को निर्धारित तारीखों पर बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। ये निर्देश महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने जारी किए हैं। महापौर ने बताया कि विक्रम संवत् 2082 के भाद्रपद माह में पड़ने वाले प्रमुख पर्वों पर मांस बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी।

- श्री गणेश चतुर्थी — भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी
- डोल ग्यारस — भाद्रपद शुक्ल एकादशी
- अनंत चतुर्दशी — भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी
- जैन समाज का पर्यूषण पर्व— भाद्रपद शुक्ल पंचमी से चतुर्दशी (प्रथम एवं अंतिम दिन विशेष रूप से)

इन अवसरों पर इंदौर नगर सीमा में स्थित सभी पशु वधगृह और मांस बिक्री की दुकानें पूर्णतः बंद रहेंगी। महापौर ने निगम अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं और उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही है। महापौर ने स्पष्ट किया है कि गणेश चतुर्थी, डोल ग्यारस, अनंत चतुर्दशी तथा जैन समाज के पर्यूषण पर्व के प्रथम एवं अंतिम दिवस पर इंदौर नगर सीमा में मांस बिक्री की दुकानें पूरी तरह से बंद रहेगी।

कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर आरटीओ इंदौर ने की वाहनों पर कार्यवाही

राजकुमार ब्रिज, वल्लभनगर पर बेतरतीब और आम रास्ता रोककर खड़ी 10 बसें जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों, बसों, स्कूल वाहनो सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। आज झाबुआ टावर और पटेल ब्रिज पर बसों की सघन चेकिंग की गई। निरीक्षण के दौरान वाहनों के फ़िटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी, कर प्रमाण पत्र भी चेक किये गए । बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया लेने की भी जांच की गई।। लोगों को अपने वाहनों पर HSRP नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों, बेतरतीब खड़ी रहने वाली बसो पर कार्रवाई की

गई। चेकिंग के दौरान राजकुमार ब्रिज, वल्लभनगर पर बेतरतीब खड़ी पाई जाने पर 10 बसों को जब्त किया गया। साथ ही ट्रेवल्स, बस संचालकों से अपील की गई कि वह अपनी बसों को निर्धारित स्थान से ही चलाए अन्यथा बसें जब्त की जाएगी। बेतरतीब, निर्धारित स्थानों से भिन्न स्थानों से संचालित बसो की जब्ती की यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

महिला ने किया 52 बार रक्तदान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर की एक महिला ने अब तक 52 बार रक्त दान (ब्लड डोनेट) किया है। वो कहती हैं कि जब 18 साल पहले उनकी डिलीवरी (बच्चे के जन्म) का समय आया था, तब उन्हें खून की बहुत जरूरत थी। हालत गंभीर थी और उनके पति खून के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे। काफी मुश्किल से खून मिला और ऑपरेशन से बेटा पैदा हुआ।

उस दिन के बाद उन्होंने ठान लिया कि जब भी वह स्वस्थ होंगी, तो दूसरों की जान बचाने के लिए रक्त दान करेंगी। रक्तदान करने वाली महिला का नाम तरनजीत कौर भाटिया है। वह बताती हैं कि 2006 में उनका परिवार खरगोन जिले के बड़वाह से इंदौर शिफ्ट हुआ था। अक्टूबर में उनकी डिलीवरी होनी थी। डॉक्टरों ने पहले ही बता दिया था कि सर्जरी के दौरान खून की जरूरत पड़ेगी। उस समय न मोबाइल, न सोशल मीडिया था। खून के लिए रिश्तेदारों और अस्पतालों में फोन करना पड़ा। तब उन्होंने महसूस किया कि अगर खून वक्त पर ना मिले तो हालात कितने खराब हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने 2007 से ब्लड डोनेट करना शुरू किया। तरनजीत कहती हैं कि महिलाएं ब्लड डोनेट करने से डरती हैं। उन्हें लगता है कि इससे कमजोरी आ जाएगी, पोषक तत्व कम हो जाएंगे या वे बीमार पड़ जाएंगी। लेकिन उन्होंने खुद को हमेशा फिट रखा और हीमोग्लोबिन लेवल भी अच्छा रहा, इसलिए बिना किसी परेशानी के वे नियमित ब्लड डोनेट करती हैं।

एक दिवसीय रोजगार मेला (युवा संगम कार्यक्रम) एक सितम्बर को

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। राज्य शासन के निर्देशानुसार इंदौर जिले के बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार दिलाने के लिए नियमित रूप से रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। यह मेले कलेक्टर श्री आशीष सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हो रहे हैं। इसी सिलसिले में आगामी एक सितम्बर को इंदौर में एक दिवसीय रोजगार मेले (युवा संगम कार्यक्रम) का आयोजन किया गया है। यह मेला जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। मेले का आयोजन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नन्दा नगर इन्दौर में किया जा रहा है। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मंडलोई ने बताया कि इस मेले में जहां एक ओर युवाओं को प्रतिष्ठित क्षेत्र की निजी कम्पनियों में नौकरी दिलाई जाएगी, वहीं दूसरी ओर खुद का व्यवसाय स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को लोन के लिए मार्गदर्शन भी दिया जाएगा।

हनीट्रैप के शिकार शराब ठेकेदार ने की खुदकुशी

प्रेमिका को 25 लाख, आईफोन, शॉपिंग, एयर टिकट तक दिया, फिर भी धमका रही थी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में एक शराब ठेकेदार और पब संचालक ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड नोट में गर्लफ्रेंड की ब्लैकमेलिंग से परेशान होने की बात लिखी है। गर्लफ्रेंड रेप केस लगवाने की धमकी देती थी। ब्लैकमेल करके 25 लाख रुपए ऐंठ भी लिए थे।

अन्नपूर्णा थाना पुलिस के मुताबिक, भूपेंद्र रघुवंशी शराब कारोबार से जुड़े हुए थे। वे शोशा, पिचर्स और स्कल पब के मालिक थे। सोमवार रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिवार के लोग उन्हें निजी अस्पताल ले गए। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सुसाइड नोट में भूपेंद्र ने इति तिवारी नाम की महिला का जिक्र करते हुए लिखा कि दोनों दो साल से साथ थे। कुछ समय बाद इति ब्लैकमेल करने लगी।

सुसाइड नोट में भूपेन्द्र रघुवंशी ने इति तिवारी पर ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए हैं-

मेरे मरने के बाद मेरे घरवालों और दोस्तों को कोई परेशान न करे

इति तिवारी के साथ मेरा रिश्ता 2 साल से ज्यादा चला। शुरू में सब ठीक था, लेकिन मुंबई जाने के कुछ समय बाद उसने धमकी देना शुरू कर दिया। वह मुझे डराती थी कि रेप केस लगवा देगी। मुंबई में किन लोगों से उसका संपर्क है या उसके पीछे कौन लोग हैं, यह साफ नहीं है। मुंबई या इंदौर, दोनों जगह से वह दबाव बनाती रही। जब वह यहां (इंदौर) आने वाली थी, तब मैंने दीपेश भैया और श्रीकांत भैया को बताया था। उसी रात उसने हंगामा किया और मामला 25 लाख में सुलझा। अगले दिन मैंने पैसे भी दे दिए। इसके बाद कुछ समय तक वह रोती रही। लोगों के सामने कुछ और बोलती थी और अकेले में कुछ और। शुरू में जो भी हुआ, वह मेरी मर्जी से था और सारे खर्चे भी मैंने ही किए। बाद में उसे किसी का गलत सपोर्ट मिला और उसने मुझे पूरी तरह घर में कैद कर दिया। सबके सामने वह कहती थी कि मैं उसके लिए कुछ नहीं करता, लेकिन सारी डिटेल मेरे कार्ड, पेटीएम और फ्लाइट करवाने वाले करण भैया से मिल जाएगी। मोबाइल से लेकर एयरपोर्ट, शॉपिंग, सैलून और बाकी सारे खर्च मैंने किए हैं। इति ये सब चीजों को नकार नहीं सकती, क्योंकि ये सबके सामने हुआ है। बर्थडे और बाकी मौकों पर जो कुछ भी हुआ, वह कैसे नकारा जा सकता है? कुछ समय पहले कार के लिए भी 'हां' की थी, फिर बाद में 'ना' कर दी। मुंबई में दो-तीन गाड़ियों की टेस्ट ड्राइव भी ली थी। अब केस करने का बोल रही है। मुंबई जाने के बाद क्या हुआ, पता नहीं। उसने मुझे कई बार कहा कि केस लगवा दूंगी। मुझे नहीं पता इसके पीछे कौन-कौन लोग हैं। मेरा फोन हैक करवा रखा है। मुझसे कहती है कि उसके पास पूरा रिकॉर्ड है। इस वजह से मुझे दूसरा फोन लेना पड़ा, क्योंकि इसका फोन मैं मिस नहीं कर सकता था। दूसरे फोन पर अलग बातें होती थीं और एक फोन हमेशा इसके लिए फ्री रखना पड़ता था। इसके पति को हमारे बारे पता है, लेकिन इस मामले में वो शायद ही इनवॉल्व हो। इति से मैंने सबकुछ शेयर कर रखा है। अब उसी भरोसे का फायदा उठा रही है। मैं इंदौर में घूम नहीं सकता, बाहर नहीं जा सकता। लेकिन इति मुंबई में सब कर सकती है। वाइफ और बच्चों को मुंबई छोड़ने गया था, तब इति ने ड्राइवर के सामने भी लड़ाई की थी। अपनी दोस्त को ले जाने के लिए भी इति ने मुझसे टिकट कराई थी। रेडियो बार में फ्रैंक के बाद मैं पूरी रात सो नहीं पाया था। होटल का गेट बंद कर रखा था। उसने घर भी फोन किया था शायद। मैं इति के लिए सारी चीजें करने को तैयार था। लेकिन इसका धमकाना चालू रहा। अंशुमन भैया को भी लगभग सारी बातें पता है। सिर्फ पैसे वाली बात किसी से शेयर नहीं की, दीपेश भैया और संतोष भैया से भी नहीं। इन सबके पीछे कौन-कौन है, यह नहीं समझ पा रहा। इति अकेली तो ये सब नहीं कर सकती। आज फिर ऐसा लग रहा है कि ये रिपोर्ट कर सकती है या करवा सकती है। आज तो फोन पर फिर से बोली कि आईफोन-17, एक फ्लैट और एक कार चाहिए। फिर कहने लगी कि नहीं चाहिए, इसे लगा कि मैं कॉल रिकॉर्डिंग कर रहा हूं। जब ये इंदौर आई थी, इसने मेरे दोनों फोन को गाड़ी के दोनों पहियों के बीच रखवाकर तुड़वा दिए। अगले दिन मुझे सैमसंग ठीक कराना पड़ा और आईफोन खरीदना पड़ा। उसमें भी बहुत डेटा है। इसके एक दिन पहले ही हमारा झगड़ा हुआ था। वैशाली के सामने इसने बैग से मारा था। इसी बैग में एक फोन था, जो मैंने झगड़े में तोड़ दिया था। ये फोन भी इति को मैंने ही दिलाया था। वंसुधरा से इसकी डिटेल मिल जाएगी। इंदौर में तीनों पब बंद होने के बाद भूपेन्द्र रघुवंशी ने करीब एक साल पहले अपोलो टॉवर में कहानी रेस्टोरेंट की शुरुआत की थी। कर्ज के चलते इसे भी कुछ समय पहले बंद करना पड़ा। उनकी कुछ संपत्तियां किराए पर दी गई थीं। परिवार के लोगों के अनुसार, पिछले कुछ समय से भूपेन्द्र ने दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलना-जुलना भी बंद कर दिया था। भूपेन्द्र के परिवार में पत्नी आरती, एक बेटा, एक बेटी और बुजुर्ग माता-पिता हैं। उनकी बेटी अमेरिका में रहती है और आईटी कंपनी में कार्यरत है। परिजनों ने उसे पिता की तबीयत खराब होने की जानकारी देकर इंदौर बुलाया है। गुरुवार को बेटी के इंदौर पहुंचने के बाद भूपेन्द्र का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

चेंकिंग के दौरान होमगार्ड से मारपीट कार सवार युवती ने मारा थप्पड़

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूडिया थाना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान शराब पीकर गाड़ी चला रहे युवक और उसके साथियों ने होमगार्ड से मारपीट की। घटना 23 अगस्त की रात की है। मामले की रिपोर्ट सोमवार दर्ज की गई।

घटना गुजराती स्कूल के पास हुई, जहां होमगार्ड ब्रजेश कुमार यादव और एएसआई कृष्णा बोर्डे की ड्यूटी थी। चेकिंग के दौरान एक कार (नंबर MP09CN7880) पुलिस को देखकर गलत दिशा में भागने लगी। कार को रोका गया तो ड्राइवर यश पुरोहित नशे में था। जब ब्रेथ एनालाइजर से जांच करने को कहा गया तो यश कार छोड़कर भागने लगा, लेकिन अन्य जवानों की मदद से उसे पकड़ लिया गया। इसी दौरान यश ने कार की चाबी छिपा ली। फिर उसके साथी कुलदीप राठौर ने बाहर आकर वर्दी पकड़कर धमकाया और चेकिंग दस्तावेज फेंकने की कोशिश की। वह ब्रेथ एनालाइजर भी छीनने लगा। इस बीच कार में बैठी युवती पायल बाहर आई और होमगार्ड ब्रजेश को थप्पड़ मार दिया। उसने ब्रजेश का मोबाइल छीनकर सड़क पर फेंक दिया और अभद्र भाषा व इशारे किए। तीनों आरोपी शराब के नशे में थे। वहां मौजूद अन्य जवानों ने महिला पुलिस की मदद से तीनों को पकड़ा और कार सहित थाने लाया गया। पहले दिन सिर्फ कार जब्त कर ड्रिंक एंड ड्राइव की सामान्य कार्रवाई की गई थी। लेकिन जब मामला वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचा, तो सोमवार शाम ब्रजेश से लिखित शिकायत लेकर मामला दर्ज किया गया। लसूडिया पुलिस ने ब्रजेश कुमार की शिकायत पर यश पुरोहित, कुलदीप राठौर और पायल के खिलाफ ड्रिंक एंड ड्राइव, सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट और अभद्रता की धाराओं में केस दर्ज किया है।

शादी का झांसा देकर युवती से रेप

इंदौर। बंगाली कॉलोनी में रहने वाली 23 वर्षीय युवती से शादी का झांसा देकर रेप का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर तिलक नगर पुलिस ने आरोपी प्रदीप पुत्र आत्माराम राठौर, निवासी कनाडिया, के खिलाफ रेप और शादी का झांसा देकर रेप करने का केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि वह अक्सर अपनी दीदी-जीजा के घर जाया करती थी, जहां आरोपी प्रदीप भी आता-जाता था। इसी दौरान उसने युवती से कहा कि वह उसे पसंद करता है और शादी करना चाहता है। उस समय पीड़िता को यह जानकारी नहीं थी कि प्रदीप पहले से शादीशुदा है। 12 नवंबर 2024 को आरोपी ने उसे तिलक नगर स्थित नित्या होटल में बुलाया और वहां रेप किया। इसके बाद वह कई बार दीदी के घर भी तब आता-जाता रहा, जब जीजा घर पर नहीं होते थे। पीड़िता ने जब भी शादी की बात की, आरोपी टालता रहा। 21 अगस्त को दोबारा शादी की बात करने पर वह नाराज होकर चला गया और फोन उठाना बंद कर दिया। मोबाइल भी स्विच ऑफ आने लगा। जब पीड़िता उसके घर कनाडिया पहुंची, तब पता चला कि प्रदीप शादीशुदा है और उसका दो साल का बेटा भी है। इसके बाद न तो प्रदीप ने उससे मुलाकात की और न ही उसके परिवार ने मिलने दिया।

रिटायर्ड सैन्य अफसर के साथ ठगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एरोड्रम इलाके में रहने वाले 65 साल के रिटायर्ड सैन्य अफसर के साथ दो भाईयों ने ठगी की वारदात को अजांम दिया। सैन्य अफसर ने उन्हें प्रोग्राम प्रमोशन के लिए नौकरी पर रखा था। आरोपियों ने एकाउंट का यूपीआई पता किया और रुपए निकाल लिए। सैन्य अफसर ने इसकी शिकायत पुलिस को की है।

स्मृति नगर निवासी ओमप्रकाश यादव ने मंगलवार को पुलिस को बताया कि वे नौसेना से रिटायर्ड अफसर हैं। संस्था शहादत को नमन के माध्यम से राष्ट्रीय कवि सम्मेलन और देशभक्ति प्रोग्राम आयोजित करते हैं। इसके लिए उन्होंने हरिओम पुत्र वल्लभ पांचाल और उसके भाई दीपक पांचाल को नौकरी पर रखा था। हरिओम को ग्रुप पर नए मेंबरों को जोड़ना, प्रोग्राम की फोटोग्राफी करवाना और प्रोग्राम की जानकारी व्हाट्सएप पर भेजना होता था। हरिओम पूरा काम ओमप्रकाश के मोबाइल से करता था। एक दिन यूपीआई पेमेंट करते समय हरिओम ने ओमप्रकाश का मोबाइल कोड देख लिया। इसके बाद आरोपी ने 10 अगस्त से 13 अगस्त के बीच में 1 लाख 77 हजार रुपए भाई दीपक के अंकाउट में ट्रांसफर कर दिए। ओमप्रकाश के अंकाउट में रुपए कम होने पर उन्होंने ऑनलाईन अंकाउट की हिस्ट्री देखी तो पता चला कि उक्त रुपए दीपक के अंकाउट में बैक ट्रांसफर हुए है। पता चला कि वह हरिओम का भाई है। दीपक से रुपए को लेकर बात की गई तो उसने बताया कि चोरी से निकाले रुपए से आरोपियों ने एक नया मोबाइल खरीदा। इसके साथ ही गिरवी रखी बाइक को छुड़वाकर उसकी किश्तें भी भर दीं।

जेल में संपर्क होने के बाद वह ब्राउन शुगर के धंधे में आई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी से क्राइम ब्रांच ने हिस्ट्रीशीटर महिला सीमा नाथ को 48 लाख 50 हजार और 500 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा है। सीमा लगभग 8 साल पहले शराब के कारोबार से जुड़ी थी। आजाद नगर की एक ड्रग तस्कर से जेल में संपर्क होने के बाद वह ब्राउन शुगर के धंधे में आई। इसी व्यवसाय के चलते उसका विवाद ड्रग्स माफिया शुभम नेपाली से बढ़ा। कुछ दिन पहले शुभम जब जेल गया तो सीमा ने द्वारकापुरी और राजेंद्र नगर इलाके में काम बढ़ा लिया। उसने 48 लाख रुपए इसी नशे से इकट्ठा किए थे। सीमा नाथ ने ब्राउन शुगर को लेकर क्राइम ब्रांच को और नाम बताए हैं। इसमें क्राइम की टीम आगे आरोपियों की धड़-पकड़ में लगी है। आजाद नगर में रहने वाली पागू बाई बड़ी नशे की तस्कर है। सीमा नाथ की उससे जेल में दोस्ती हुई थी। सीमा उसे मां कहने लगी। करीब दो साल पहले पागू बाई ने ही सीमा को इस अवैध कारोबार में उतारा। इसके बाद सीमा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उसने इसी अवैध कारोबार से इलाके में संपत्ति भी खड़ी कर ली।

ट्रक ड्राइवर ने डॉग के साथ किया अप्राकृतिक कृत्य

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूड़िया इलाके में एक डॉग के साथ अप्राकृतिक कृत्य का मामला सामने आया है। पीपुल्स फॉर एनिमल्स संस्था की ओर से सोमवार रात लसूड़िया थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई गई। संस्था ने पुलिस को इस घटना का वीडियो भी सौंपा है।

संस्था की इकाई की अध्यक्ष प्रियांशु जैन ने बताया कि 23 अगस्त की रात उन्हें एक वीडियो मिला, जिसमें ट्रक (नंबर NL01-AA-7209) का ड्राइवर ट्रक के केबिन में डॉग के साथ अप्राकृतिक कृत्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके बाद संस्था ने पुलिस को आवेदन देकर ड्राइवर पर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की मांग की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने देर रात ट्रक ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की है और उसकी तलाश की जा रही है। यह घटना बायपास क्षेत्र की बताई जा रही है। इससे पहले भी सोशल मीडिया पर बायपास इलाके के एक ऑटो ड्राइवर का ऐसा ही वीडियो वायरल हुआ था। उस मामले में भी पशु प्रेमी संस्था ने पुलिस को लिखित शिकायत दी थी। फिलहाल पुलिस उस प्रकरण की भी जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव नियुक्त विद्युत कार्मिकों को प्रदान किए नियुक्ति-पत्र

प्रदेश के साथ देश की विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान युग में विद्युत (ऊर्जा) का महत्व वायु और जल के समान है। गर्व का विषय है कि हम उद्योगों और किसानों सहित सभी प्रदेशवासियों की बिजली की मांग के साथ देश की बिजली की जरूरत को भी पूरा कर रहे हैं। देश की राजधानी दिल्ली की मेट्रो ट्रेन मध्यप्रदेश की बिजली से चल रही है। अब इस तरह की योजना बनाई जा रही है कि वर्ष 2047 तक बिजली की कोई कमी नहीं होगी, प्रदेश ऊर्जा क्षेत्र में सरप्लस रहेगा। प्रदेश में विद्युत उत्पादन के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। देश में क्लीन एनर्जी के लिए गतिविधियों का विस्तार हो रहा है। प्रदेश में पिछले 11 वर्षों में सौर ऊर्जा 30 प्रतिशत बढ़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 6 विद्युत कंपनियों के नवनियुक्त 1060 कार्मिकों को नियुक्त-पत्र वितरण और अभिनंदन समारोह को रवीन्द्र भवन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप

प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को औषधीय पौधा भेंट कर स्वागत किया गया।

बिजली कंपनियों में 51 हजार से अधिक नए पद भरे जाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिजली कंपनियों के द्वारा एक हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। प्रदेश की बिजली कंपनियों में 51 हजार से अधिक नए पद भरे जाएंगे। इससे बिजली कम्पनियों की स्थिति सुदृढ़ होगी। किसान भाइयों को लगभग 20 हजार 267 करोड़ रुपए की सब्सिडी इस वर्ष दी जा रही है। प्रदेश के एक करोड़ से अधिक परिवारों को बिजली विभाग ने 6445 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्रदान की है। प्रदेश में बिजली तैयार करने के लिए हर उपलब्ध संसाधन का उपयोग किया जा रहा है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सांची को प्रदेश की पहली सोलर सिटी बनाया गया है। राज्य के 32 लाख किसानों को सोलर पंप प्रदान किए जा रहे हैं। प्रदेश में उत्पादित क्लीन एनर्जी से बिजली, उद्योग का रूप ले रही है। प्रदेश के अन्य विभागों द्वारा अपनी स्वयं की बिजली बनाने की पहल लोक स्वास्थ्य विभाग ने आरंभ की है। इससे ऊर्जा विभाग की जिम्मेदारी बढ़ेगी तथा प्रबंधन के लिए दक्ष मानव संसाधन की आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को सभी क्षेत्रों में देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल कराने के लिए संकल्पित है।

बिजली कंपनियों की उपलब्धियों पर केंद्रित प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर प्रदेश की विभिन्न बिजली कंपनियों की उपलब्धियों पर केंद्रित प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्युत कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों से भेंट भी की। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव नियुक्त विद्युत कार्मिकों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए। ऊर्जा विभाग के अंतर्गत सभी बिजली कंपनियों के लिये 51 हजार से अधिक नियमित पद स्वीकृत करने पर ऊर्जा मंत्री ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पगड़ी पहना कर तथा अंग वस्त्रम और प्रशस्ति-पत्र भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सम्मान में प्रशस्ति-पत्र का वाचन भी किया गया। इस अवसर पर नव नियुक्त कर्मिकों के अभिभावक भी उपस्थित थे।

जीतू पटवारी के बेतुके बोल, कहा-

मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा शराब पीती हैं महिलाएं, भाजपा हुई हमलावर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के मप्र की महिलाओं के सबसे ज्यादा शराब पीने के बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा था कि पूरे देश में सबसे ज्यादा शराब महिलाएं कहीं पीती हैं तो वे मध्य प्रदेश की हैं।

पटवारी के इस बयान से नाराज भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भोपाल, इंदौर और उज्जैन में राहुल गांधी और जीतू पटवारी के पुतले जलाकर प्रदर्शन किया। राहुल और जीतू पटवारी मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। सीएम डॉ. मोहन यादव ने इसे बहनों का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष माफी मांगें। वहीं, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा- ये वही कांग्रेस है, जहां महिलाओं को तंदूर में जलाया जाता है और कहा जाता है... वाह क्या टंच माल है। जीतू पटवारी सोमवार को भोपाल में अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि महिलाएं सबसे ज्यादा शराब, अगर पूरे देश में कहीं पीती हैं तो मध्य प्रदेश की पीती हैं। मध्यप्रदेश को यह तमगा मिला है। यह समृद्ध मध्य प्रदेश का सपना देखने वाली भाजपा ने प्रदेश के ऐसे हालात कर दिए हैं। देश में शराब की सबसे ज्यादा खपत कहीं हैं तो मध्य प्रदेश में है। शराब की बिक्री और खपत आपकी सरकार ने प्रदेश में सबसे ज्यादा कर दी। विवाद बढ़ने पर पटवारी ने जबलपुर में कहा- नरेंद्र मोदी ने जो रिपोर्ट दी उस रिपोर्ट के आधार पर मैं कह रहा हूं, मेरा आरोप नहीं है। उन्होंने राष्ट्रीय परिवार हेल्थ सर्वे और सरकारी रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह बात कही।

◆बहनों को शराबी कहना आधी आबादी का अपमान

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के बयान पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने पलटवार करते हुए कहा, मप्र सरकार लाड़ली बहनों के लिए लगातार काम कर रही है। 50% आबादी के लिए पूर्ववर्ती सरकार द्वारा कई योजनाएं भी चलाई गई थी। प्रधानमंत्री जी तो 33% अलग से आरक्षण देकर लोकसभा विधानसभा में भी जोड़ रहे हैं। सीएम ने कहा- कांग्रेस की सरकार ने न कभी आरक्षण दिया। न कभी बहनों को तवज्जो दी। न कभी लाड़ली लक्ष्मी से लेकर लाड़ली बहना जैसी कोई योजना चलाई। उल्टे कांग्रेस के द्वारा बहनों को शराबी कहना ये सारी बहनों आधी आबादी का अपमान है।

◆कांग्रेस का राजनीतिक विनाश अब सुनिश्चित

प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा- कांग्रेस के नेताओं ने मातृ शक्ति के अपमान की कसम खा रखी है। कभी इनके नेता अपनी पत्नी को तंदूर में जलाकर मार डालते हैं तो कभी किसी महिला को ईंट के भट्ठे में डाल देते हैं। कांग्रेस के नेता याद रखें नारी नशा नहीं करती है। अपनी पर आज जाए तो दुष्टों का नाश जरूर कर देती है। कांग्रेस का राजनीतिक विनाश अब सुनिश्चित है।

गणेश चतुर्थी और नवरात्रि के आयोजन में स्वदेशी सामान को किया जाए प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

◆गणेश चतुर्थी पर्व पर रहेगा प्रदेश में अवकाश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गणेश चतुर्थी पर्व पर संपूर्ण प्रदेश में अवकाश रहेगा। उन्होंने राज्य शासन द्वारा निर्धारित अवकाश व्यवस्था की समीक्षा के लिए समिति गठित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया नगरीय निकायों के आगामी आम निर्वाचन, 2027 में अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं के द्वारा कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रि-परिषद के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गणेश चतुर्थी और नवरात्रि के आयोजन में स्वदेशी सामान को प्रोत्साहित किया जाए। मूर्ति निर्माण में मिट्टी और लुगदी को प्राथमिकता दी जाए और पर्यावरण संरक्षण के लिए चुनौती बन रहे प्लास्टर ऑफ पेरिस को हतोत्साहित किया जाए। सार्वजनिक धार्मिक आयोजनों सहित घरों में होने वाले पूजा-पाठ में देश में ही बने वस्त्र और साज-सज्जा की सामग्री का उपयोग हो। इससे छोटे व्यापारियों को प्रोत्साहन मिलेगा और हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कटनी में हुई माइनिंग कॉन्क्लेव की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कॉन्क्लेव में 56 हजार 414 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले। आयोजन क्रिटिकल मिनरल, स्ट्रेटजिक मिनरल तथा रेयर अर्थ एलिमेंट की प्रदेश में संभावनाओं, इनके प्रसंस्करण संवर्धन पर केंद्रित रहा। आयोजन में टेक्समिन इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ माइन्स, आईआईटी धनबाद इत्यादि के साथ एमओयू किया गया।

कोल इंडिया लिमिटेड, मैंग्नीज ओर इंडिया लिमिटेड, हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान, संस्थान, टेक्समिन आईआईटी, इंडियन स्कूल ऑफ माईन्स, भारतीय रेयर अर्थ लिमिटेड, की भागीदारी रही। निजी संस्थाओं जैसे सिंघल बिजनेस प्राईवेट लिमिटेड विनम्र रिर्सोसेस, रमणीक पॉवर, मायनवेयर एडवायजर इत्यादि के प्रतिनिधियों से भी भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा प्रदेश में रोड नेटवर्क विस्तार के लिए 73 हजार करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की सौगात दी गई है। इनमें जबलपुर-भोपाल ग्रीन फील्ड हाईवे 255 कि.मी., इंदौर- भोपाल ग्रीन फील्ड कॉरिडोर, 160 कि.मी., लखनादौन-रायपुर फोर लेन हाईवे, 220 कि.मी. के अलावा उज्जैन-झालावाड़ मार्ग, बरनावर-टिमरनी मार्ग, खंडवा-बैतूल फोर लेन, इंदौर सिक्स लेन पूर्वी बायपास और इसी तरह से कुल मिलाकर 27 परियोजनाएं मुख्य हैं। कान्हा, बांधवगढ़,पेंच और पन्ना राष्ट्रीय उद्यानों को आपस में जोड़ने के लिए टाईगर कॉरिडोर बनाया जाएगा।

संपादकीय

संघ प्रमुख ने इशारों-इशारों में काफी कुछ कहा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संघ की तीन दिन की व्याख्यानमाला के पहले दिन ही बीजेपी से लेकर विपक्ष तक के आरोपों पर इशारों इशारों में काफी कुछ कह दिया। जहां संघ प्रमुख ने ये बताया कि संघ से जुड़े किसी भी संगठन पर वे दबाव नहीं बनाते और वे संगठन उनकी राय मानने को बाध्य नहीं हैं, वहीं ये भी कहा कि संघ स्वावलंबी है और किसी के आगे हाथ नहीं पसारता। आइए जानते हैं क्या कहा संघ प्रमुख ने और क्या हैं उसके मायने... भागवत ने कहा कि स्वयंसेवकों का संघ से संबंध अटूट है। वह कभी नहीं टूटता। उसके चलते स्वयंसेवक मिलते हैं, बात करते हैं, पूछते हैं बताते हैं। मदद मांगते हैं तो मदद देते है। संघ अच्छे काम को मदद करता है सिर्फ स्वयंसेवकों को ही नहीं किसी को भी करता है। लेकिन वह हमारा कहा मानें ही यह हमारा दबाव नहीं रहा। हमारा कहा वह समझेंगे और समझने के बाद उनको जो लगता है वह करेंगे। अपने क्षेत्र में उनका अनुभव है, उनकी एक्सपर्टीज है। हमारी नहीं है, ऐसा नहीं है पर करना तो उनको ही है और उनको करने की स्वतंत्रता मिलती है, मिलनी भी चाहिए। संगठन में स्वयंसेवक के साथ और लोग भी हैं, उसमें उनका प्रभाव कम ज्यादा होता है, अन्य लोग भी साथ हैं तो सबको साथ लेकर चलना हमने यही सिखाया है। मतभेद हो भी तो मनभेद ना हो, इसी को संगठन कहते हैं। हमारी अपेक्षा बस ये कि संगठन ठीक रहे स्वयंसेवक ठीक रहे। वे धीरे धीरे स्वावलंबी होते हैं उन्हें मदद मांगने की जरूरत नहीं होती। विचार, संस्कार और आचार ये ठीक रहे, इतनी हम स्वयंसेवक की चिंता करते हैं, संगठन की चिंता वो करते हैं। इस प्रकार हम आगे जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमको एक दबाव गुट नहीं बनाना है। पूरे भारत में सबको संगठित करने के लिए संघ है। लोकसभा चुनाव के वक्त बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का एक बयान आया कि बीजेपी अब बड़ी हो गई है और उसे संघ की जरूरत नहीं है। जिसके बाद संघ और बीजेपी के बीच असहज रिश्तों की चर्चा शुरू हुई। कहा गया कि संघ के स्वयंसेवक इससे काफी नाराज हुए। संघ प्रमुख ने इसी का जवाब देने की कोशिश की और अपने स्वयंसेवकों को संदेश भी दे दिया। साथ ही क्या बीजेपी संघ की सुनती है या संघ बीजेपी के फैसले लेता है, इन चर्चाओं का भी भागवत ने जवाब देने की कोशिश की। उन्होंने साफ संदेश दे दिया कि बीजेपी या संघ के दूसरे संगठनों को वो सुझाव तो देते हैं लेकिन फैसला वे अपनी मर्जी से ही लेते हैं। इसके साथ ही इस पर भी जोर देने की कोशिश की विचार नहीं बदलने चाहिए यानी किसी भी फील्ड में हो चाहे राजनीति या कुछ और संघ के विचार का साथ न छोड़ें। साथ ही गठबंधन की राजनीति की मजबूरियों को लेकर भी भागवत ने संदेश दिया। भागवत ने कहा कि हमने अपने कार्यकर्ता खुद बनाएं, रेडिमेट नहीं लिए। पैसा भी हमारे स्वयंसेवक देते हैं, वे साल में एक बार गुरु दक्षिणा करते हैं। संघ को चंदा नहीं करते दान नहीं देते। समर्पण का टेस्ट करते हैं। बचा बचा कर जमा करते हैं और गुरु दक्षिणा में देते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे दिल्ली का कार्यालय हो या नागपुर में रेशमबाग का, सब स्वयंसेवकों ने बनाया है। संघ किसी के आगे हाथ नहीं पसारता और संघ संपूर्ण स्वावलंबी संगठन है। इसलिए जो सही लगता है वह बोल सकते हैं, जो खराब लगता है वह भी बोल सकते हैं। लेकिन बोलने के पीछे विरोध की भावना नहीं है। ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर। दिल्ली के झंडेवालान में जब संघ का बहुमंजिला ऑफिस बना तो विपक्ष की तरफ से कई सवाल आए कि इतना पैसा कहां से आया। ये भी कहा गया कि केंद्र में बीजेपी की सरकार होने का संघ को फायदा मिल रहा है। भागवत ने इन आरोपों का जवाब देने की कोशिश की। साथ ही भागवत कई बार इनडायरेक्टली सरकार को और कुछ बड़े नेताओं को भी निशाने पर लेते रहे हैं। इसका भी भागवत ने जिक्र किया कि वे जो सही लगता है वह बोल सकते हैं। भागवत ने हिंदू को जिम्मेदार समाज बताते हुए कहा कि स्वाभाविक धर्म समन्वय है संघर्ष नहीं। उन्होंने कहा कि इस देश में हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध आदि आपस में संघर्ष नहीं करेंगे, इसी देश में जिएंगे, इसी देश में मरेंगे। भारत माता ने हमें ये संस्कार दिए हैं। इतिहास हमें प्रेरणा देता है और इन्हें मानने वाला हिंदू है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के चार प्रकार हैं- जो जानते हैं हिंदू हैं और उन्हें गौरव है, जो जानते हैं हिंदू हैं और मानते हैं कि ठीक है गौरव क्या करना, जो जानते हैं कि वे हिंदू हैं पर कहते नहीं हैं और वे जो जानते नहीं कि वे हिंदू हैं। जो खुद को हिंदू नहीं कहते उन लोगों को भी भारतीय कहने से बुरा नहीं लगता। सनातन भी कुछ लोग स्वीकार करते हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि हम ऐसा नहीं कहते हैं कि आप कहो कि हम हिंदू हैं। हम बताते हैं। हम भारतीय है इसका कंटेंट समझो। यह कंटेट जियोग्राफिकल नहीं है। उस कंटेंट में भारत माता की भक्ति है। उसमें पूर्वजों की परंपरा है, जो हम सबकी समान है।

ज्ञान-विज्ञान

श्रीगणेश का जन्म कैसे हुआ...

पार्वती के उबटन, शिवजी के वरदान या फिर अवतार, जानिए कितनी हैं कथाएं

देशभर में गणेश चतुर्थी के उत्सव के धूम है. जगह-जगह पंडाल में गणपति विराजमान हैं और उनकी पूजा की जा रही है. मोदक का प्रसाद बंट रहा है. उत्तर भारतीय आरती शैली से अलग मराठी भाषा की उनकी प्रसिद्ध प्रचलित आरती 'जय देव-जय देव' हर ओर गुंजायमान है. ढोल-ताशे बज रहे हैं. घरों में भी गणपति बैठे हैं और चतुर्थी का यह दिवस जो 20 साल पहले तक उत्तर भारतीय महिलाओं के लिए एक सामान्य व्रत की ही तरह हुआ करता था, अब पूरी तरह एक आयोजन में बदल चुका है.

व्यापक हैं श्रीगणेश की मान्यताएं

भारतीय समाज में बालरूप में पूजन के लिए दो देवताओं की मान्यता बहुत है. एक हैं श्रीकृष्ण और दूसरे हैं श्रीगणेश. श्रीकृष्ण का लड्डू गोपाल स्वरूप तो लोककथाओं में रच-बसकर उत्तर से दक्षिण तक व्यापक रूप से फैला हुआ है. जहां उत्तर में वह यशोदा नंदन, बाल-गोपाल, लड्डू गोपाल, माखनचोर आदि हैं तो वहीं दक्षिण में वह गुरुवायुर अप्पन स्वामी हैं, जिनकी बालरूप में ही पूजा की जाती है. संतान प्राप्ति के लिए मांगी जाने वाली वहां एक आम मनोकामना है, जिसमें वह जो कहते हैं उसका अर्थ कुछ ऐसा है कि 'हे गुरुवायुर अप्पन स्वामी, आप बालरूप में आकर हमारे आंगन में खेलो.'

राजधानी दिल्ली के दिल में में मौजूद श्रीउत्तरागुरुवायुर अप्पन मंदिर (जो केरल के त्रिशूर जिले के असल मंदिर की प्रतिकृति है) में आने वाले दक्षिण भारतीय समुदाय के लोग अक्सर ऐसी कामना करते दिख सकते हैं. मंदिर के सेवायत भी इसकी पुष्टि करते हैं.

श्रीगणेश के बालरूप का भी है सुंदर वर्णन

इसी मंदिर की एक दिशा में श्रीगणेश भी विराजमान हैं, लेकिन उनका स्वरूप भी बालक का ही है. दक्षिण भारत में गणेशजी की मान्यता और पूजा मुरुगन (कार्तिकेयः शिव-पार्वती के बड़े पुत्र) के छोटे भाई के तौर पर है. जहां मुरुगन देव सेनापति हैं, गंभीर हैं, बड़े-बड़े असुरों के संहारक हैं और बहुत मर्यादित हैं, वहीं छोटे भाई गणेश नटखट हैं, मां के दुलारे हैं.

बुद्धि और चातुर्य में भी आगे हैं और सबके मन को मोहने वाले हैं. बिल्कुल भारतीय मध्यमवर्गीय परिवार वाली एक संकल्पना की तरह, जहां बड़ा भाई पिता का रूप होता है, इसलिए मर्यादा में रहना उसका स्वभाव बन जाता है और छोटा भाई मां का दुलारा है इसलिए वयस्क हो जाने पर भी उसकी चपलता नहीं जाती है. बलराम और श्रीकृष्ण, कार्तिकेय और श्रीगणेश इसी तरह के भाइयों वाले जोड़े हैं. संतान की इच्छा रखने वाले श्रद्धालु मुरुगन से भी उनके छोटे भाई की सी चपलता वाली संतान की मनोकामना मांग लेते हैं.

क्या गणेश जी के जन्म या प्राकट्य उत्सव है चतुर्थी?

खैर, चतुर्थी पर लौटते हैं. तो जिस तरह से जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव है. माना जाता है कि गणेश चतुर्थी यानि कि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी भी इसी तरह से गणेश जी के जन्म का उत्सव है. हालांकि यह मान्यता हर तरफ एक जैसी नहीं है. क्योंकि श्रीकृष्ण के जन्म की बात इसलिए भी स्वीकार्य है क्योंकि महाभारत के मौसल पर्व में उनके महाप्रयाण (धरती से गोलोक या वैकुंठ वापसी) का वर्णन है, लेकिन श्रीगणेश के ऐसे किसी प्रसंग का जिक्र नहीं मिलता है.

राम चरित मानस में क्या लिखा है?

इसलिए उनके अवतार वाले जन्म के बजाय उनके प्राकट्य की कथाएं अधिक मान्य हैं. हालांकि श्रीराम और श्रीकृष्ण के जन्म को भी भक्त कवियों ने प्राकट्य ही कहा है. संत तुलसीदास ने राम चरित मानस में लिखा है, 'भए प्रगट कृपाला दीनदयाला...' और यही बाबा तुलसी जब मानस में शिव-पार्वती के विवाह का वर्णन करते हैं तो बालकांड का 100वां दोहा देखिए, वहां गणेश जी का जिक्र किस तरह से करते हैं.

'मुनि अनुसासन गणपतिहि
पूजेउ संभु भवानी।
कोउ सुनि संसय करै
जनि सुर अनादि जिय जानि।' ।।100।।

(अर्थः मुनियों के कहने पर शिव और पार्वती ने गणेश जी की पूजा की थी. कोई भी इससे संशय न करे, क्योंकि गणेश जी अनादि हैं और विवाह के समय वे शिव-पार्वती से पहले के देवता थे.)

प्रसंग है कि शिव-पार्वती विवाह हो रहा है. विवाह ठीक तरह से संपन्न हो इसलिए ऋषियों-ब्राह्मणों के कहने के अनुसार शिव जी ने विघ्नविनाशक गणेश जी की पूजा की. सवाल उठता है कि माता-पिता का ही विवाह हो रहा है तो अपने ही विवाह में वह अपने ही पुत्र की अग्रपूजा कैसे कर सकते हैं? तुलसीदास जानते हैं कि यह लिखने पर जनता संशय करेगी ही करेगी तो उन्होंने अपने इसी दोहे में बिना कुछ बताए संशय करने से मना कर दिया है. यही संशय इस सवाल को उठाता है कि आखिर श्रीगणेश का जन्म अथवा प्राकट्य कैसे हुआ है?

गणेश पुराण और श्रीगणेश का प्राकट्य

18 पुराणों से परे सनातन परंपरा में कुछ उपपुराण भी हैं. जिनमें गणेश जी को समर्पित एक विशेष पुराण बताया गया है, जिसका नाम ही गणेश पुराण है. इस पुराण में श्रीगणेश को ब्रह्म स्वरूप ही बताया गया है. इस पुराण की कथा भी नैमिषारण्य में सूत जी उसी तरह से सुनाते हैं, जैसे उन्होंने महाभारत, स्कंद पुराण व अन्य पुराण सुनाए थे. ऋषि उनसे पूछते हैं कि देवों में सबसे अग्रणी कौन हैं. तब सूत जी बताते हैं कि अक्षरों में सबसे प्रथम ओम के निराकार स्वरूप को ही प्रणव कहते हैं. इसी प्रणव में ब्रह्मा विष्णु महेश, अपने सत्व, रज और तम गुणों के साथ समाए हुए हैं. यह प्रणव जब साकार होते हैं तो श्रीगणेश हो जाते हैं. प्रथम होने के कारण यही प्रणव गणेश ही प्रथमेश यानी प्रथम देवता है.

चारों युगों में होता रहा है श्रीगणेश का प्राकट्य

इनका प्राकट्य चारों युगों में होता रहा है. सत्य युग में गणेश विनायक के रूप में प्रकट होते हैं. दसभुजा वाले विशाल, दानशील और वह सिंह पर सवार होते हैं. त्रेता युग में गणेश मयूरेश्वर के रूप में अवतरित होते हैं. उनकी छह भुजाएं हैं, उनका रंग श्वेत है, और वे मयूर पर सवार होते हैं. द्वापर युग में गणेश गजानन के रूप में प्रकट होते हैं. उनकी चार भुजाएं हैं, उनका रंग लाल है, और वे डिंक नामक चूहे पर सवार होते हैं. इस युग में वे शिव और पार्वती के पुत्र के रूप में जन्म लेते हैं. कलियुग में गणेश धूम्रकेतु के रूप में प्रकट होते हैं. उनकी दो भुजाएं हैं, उनका रंग धुएं जैसा है, और वे घोड़े पर सवार होते हैं. इस युग में वे बर्बर सेनाओं से युद्ध करते हैं और राक्षसों का संहार करते हैं.

इस वर्णन से यह स्पष्ट होता है कि शिव-पार्वती के पुत्र के रूप में प्रकट होने की प्रचलित कथा द्वापर युग की शुरुआती कथा है. यहीं से उनका गजानन नाम भी आता है. इसके पहले उनके नाम विनायक, मंगल, शुभ, महोदर और महोत्कट हैं. दूसरी बात यह कि कलियुग में भी उनके अवतार का जिक्र है, लेकिन पौराणिक मान्यता है कि चारों युग कई-कई बार बीत चुके हैं. तो संभवतः यह इस कलियुग की नहीं बल्कि पहले के बीते हुए कलियुग की बात हो रही है.

देवी पार्वती के पुत्र रूप में प्राकट्य

गणेश जी के जन्म की एक सामान्य कथा जो सबसे अधिक प्रचलित है, वह पार्वती के उबटन से उत्पत्ति की आती है. जब शिवजी ने कामदेव को भस्म किया तब रति ने देवी पार्वती को श्राप दिया कि वह कभी कोख में अपनी संतान को धारण नहीं करेंगी. इस वजह से पार्वती की सभी संतानें शिव-शक्ति के मिलन से उत्पन्न हुई ऊर्जा को किसी अन्य के संरक्षण में देकर उनसे जन्म के जरिए प्राप्त की गईं. जैसे कार्तिकेय का ही जन्म छह कृत्तिकाओं के गर्भ से हुआ था. क्या इसे आज की आधुनिक सरोगेसी का एक रूप माना जा सकता है?

इसी तरह उन्होंने अपने समान गुण वाली एक कन्या की कल्पना की तो अशोक सुंदरी का जन्म हुआ. समय आने पर कार्तिकेय नाराज होकर दक्षिण दिशा में चले गए और अशोक सुंदरी तपस्या के लिए चली गईं. देवी पार्वती कैलाश पर अकेली रह गईं. तब उन्होंने एक दिन इसी शोक की अवस्था में अशोक वृक्ष के नीचे बैठकर परमशक्ति का ध्यान किया. पार्वती ने अपने हाथों में हल्दी का उबटन लगाया हुआ था. उन्होंने उससे निकले पिंड से एक आकृति बनाई और विचार करने लगी.

तब इसी पिंड से संसार में शुभता और पवित्रता के पोषक ने बालरूप में जन्म लिया, या यों कहें कि उनका प्राकट्य हुआ. इस तरह पार्वती प्रसन्न हुईं. बालक के प्रकट होते ही संसार की चाल बदल गई और हर तरफ एक नई नवीनता और उत्साह का संचार हो गया. इस परिवर्तन को देखकर ब्रह्मदेव समझ गए और कैलास पहुंचे. यहां उन्होंने देवताओं के साथ देवी पार्वती को पुत्र जन्म की बधाई दी और बालक का नाम विनायक रखा.

जब वह प्रकट हुए तब उनकी अवस्था चार वर्ष के बालक जैसी थी. जिस पर देवी पार्वती बहुत प्रेम लुटा रही थीं. बालरूप गणेश ने देवी पार्वती के कहने पर उन्हें वचन दिया वह सदा ही उनके पास रहेंगे. इसलिए देवी दुर्गा की हर प्रतिमा के साथ गणेश की मौजूदगी दिखाई देती है. यह कथा थोड़े बहुत अंतर के साथ मत्स्य पुराण और ब्रह्मवैवर्त पुराण में मिलती है.

Jammu & Kashmir

वैष्णो देवी यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड से बड़ी तबाही 31 लोगों की मौत, आज फिर बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी) जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से हालात बिगड़े हैं. कटरा स्थित माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर बुधवार को हुए बड़े भूस्खलन में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई और 23 लोग घायल हुए हैं. त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित मंदिर के मार्ग का बड़ा हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया. बचाव अभियान जारी है और आशंका है कि मलबे के नीचे और लोग फंसे हो सकते हैं.

लगातार बारिश ने जम्मू-कश्मीर में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पैदा कर दी है. जम्मू में पुल ढह गए, बिजली लाइनों और मोबाइल टावरों को भारी

नुकसान पहुंचा. मंगलवार को सुबह 11.30 बजे से शाम 5.30 बजे के बीच जम्मू में 6 घंटे में 22 सेंटीमीटर बारिश हुई. हालांकि आधी रात के बाद बारिश में कमी आई, जिससे जिले को थोड़ी राहत मिली. इस बीच, मंगलवार तक लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ और जलभराव से 3,500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया. राहत कार्य जिला प्रशासन, जेके पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, भारतीय सेना और स्थानीय वॉलंटियर्स की संयुक्त टीमों द्वारा चलाया जा रहा है. प्रभावित लोगों को अस्थायी शेल्टर्स में खाना, साफ पानी और मेडिकल सहायता दी जा रही है. हालांकि, केंद्रशासित प्रदेश के कई हिस्सों में टेलीकॉम ब्लैकआउट हो गया है, जिससे लाखों लोग संपर्क से बाहर हैं.

Maharashtra

महिला और उसके प्रेमी को परिजनों ने पकड़ा, पिता ने दोनों के हाथ बांधकर कुएं में फेंका

नांदेड़, (एजेंसी) महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में एक शादीशुदा महिला के परिवार वालों ने कथित तौर पर महिला और उसके प्रेमी को मिलते हुए पकड़ा। इसके बाद पिता और अन्य परिजनों ने दोनों की पिटाई की। फिर उनके हाथ बांधकर कुएं में फेंक दिया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि महिला का शव बरामद कर लिया है जबकि प्रेमी के शव की तलाश जारी है। महिला के पिता, दादा और चाचा को हिरासत में लिया गया है। महिला की शादी करीब एक साल पहले हुई थी। सोमवार को बोरजुन्नी गांव निवासी उसका प्रेमी गोलेगांव में उससे मिलने गया था। तभी परिजनों ने दोनों को पकड़ लिया और महिला के मायके वालों को बुलाया और दोनों को उनके हवाले कर दिया। महिला और उसके प्रेमी की बोरजुन्नी जाते समय रास्ते में पिटाई की गई और एक कुएं में फेंक दिया।

New Delhi

बच्चों के आपसी झगड़े में झटका देना बाल उत्पीड़न नहीं, SC ने बताया- बाल दुर्व्यवहार में क्या-क्या जरूरी?

नई दिल्ली, (एजेंसी) सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि बच्चे अगर आपस में झगड़ते हैं और उस दौरान एक-दूसरे पर हमला करते हैं या एक -दूसरे से मारपीट करते हैं और उसे देखकर अगर कोई

वयस्क बच्चों को झटका देता है तो ऐसे मामूली या आकस्मिक कृत्य बाल उत्पीड़न नहीं हैं और न ही ऐसे मामलों में बाल दुर्व्यवहार का अपराध लगाया जा सकता है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि बाल दुर्व्यवहार की परिभाषा में नुकसान पहुँचाने, क्रूरता करने, शोषण या दुर्व्यवहार का स्पष्ट इरादा झलकना चाहिए और इसमें जानबूझकर क्रूरता या दुर्व्यवहार भी शामिल होना चाहिए। संतोष सहदेव खजनेकर बनाम गोवा राज्य के एक मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष न्यायालय ने कहा कि बिना किसी इरादे के गंभीर दंडात्मक परिणाम लागू करने से कानून का दायरा अनुचित रूप से बढ़ जाएगा।

बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीठ ने अपने फैसले में लिखा, "बाल दुर्व्यवहार का अपराध अनिवार्य रूप से किसी बच्चे को नुकसान पहुँचाने, क्रूरता करने, शोषण करने या दुर्व्यवहार करने के इरादे से जुड़ा होता है, जो बच्चों के झगड़े के दौरान किसी आकस्मिक या क्षणिक कृत्य से कहीं अधिक है। जानबूझकर या लगातार दुर्व्यवहार के किसी भी सबूत के बिना, स्कूल बैग से एक साधारण हमला, बाल दुर्व्यवहार के आवश्यक तत्वों को पूरा नहीं करता है। दुर्व्यवहार के स्पष्ट इरादे या आचरण के अभाव में ऐसे गंभीर अपराध के दंडात्मक परिणामों का आह्वान करना, प्रावधान का अनुचित विस्तार होगा।"

Maharashtra

पालघर में हादसा

वसई के नारंगी रोड पर चार मंजिला इमारत का हिस्सा ढहा, दो की मौत

पालघर, (एजेंसी) महाराष्ट्र के पालघर में बीती रात बड़ा हादसा हुआ। यहां वसई के नारंगी रोड पर चामुंडा नगर और विजय नगर के बीच स्थित रमाबाई अपार्टमेंट की चार मंजिला इमारत का पिछला हिस्सा मंगलवार देर रात ढह गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल बताए जा रहे हैं। वसई-विरार नगर निगम अग्निशमन विभाग और एनडीआरएफ की दो टीमों की मदद से बचाव कार्य जारी है।

वसई विरार पुलिस ने बताया कि इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई है और नौ लोगों को मलबे से निकाला गया है। मलबे से निकाले गए लोगों को विरार के नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है, जहां एनडीआरएफ, दमकल विभाग की टीम के साथ-साथ स्थानीय पुलिसकर्मी भी मौजूद हैं।

वसई-विरार नगर निगम (वीवीएमसी) के एक अधिकारी ने बताया कि वसई के नारंगी रोड पर स्थित चार मंजिला रमाबाई अपार्टमेंट का पिछला हिस्सा रात करीब 12.05 बजे की एक चॉल पर गिर गया। बचावकर्मियों ने अब तक मलबे से 11 लोगों को निकाला है, जिनमें से कुछ गंभीर रूप से घायल हैं और उनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया है। अग्निशमन विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की दो टीमों को दुर्घटनास्थल पर भेजा गया।

पालघर के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम ने प्रारंभिक जानकारी का हवाला देते हुए बताया कि रमाबाई अपार्टमेंट का पिछला हिस्सा बगल की चॉल पर गिर गया। उन्होंने बताया कि कई निवासी मलबे में दब गए। कदम ने कहा, 'दुर्भाग्य से हमने 24 वर्षीय आरोही ओमकार जोविल और एक वर्षीय उत्कर्षा जोविल को खो दिया है।

खेल

पीवी सिंधु वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में पहला मैच जीतीं

बुल्गारिया की कलोयाना नलबंतोवा को हराया, प्रणौय राउंड ऑफ 32 में पहुंचे

पेरिस, (एजेंसी) भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में जीत से शुरुआत की है। पेरिस में चल रही वर्ल्ड चैंपियनशिप में विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में सिंधु ने बुल्गारिया की कलोयाना नलबंतोवा को 39 मिनट चले मुकाबले में 23-21, 21-6 से हराया।

राउंड ऑफ 32 में सिंधु का मुकाबला हांगकांग की सलोनी समीरबाई मेहता और मलेशिया की लेटशाना करुपथेवन के बीच के मैच की विजेता से होगा।मेंस सिंगल्स में एचएस प्रणौय ने राउंड ऑफ 64 के मुकाबले में फिनलैंड के जोकिम ओल्ड्रॉफ को हरा दिया। 47 मिनट चले मुकाबले में प्रणौय ने 21-18, 21-15 से जीत हासिल की।

वर्ल्ड नंबर-15 पीवी सिंधु ने बुल्गारिया की गैर वरीयता नलबंतोवा को 23-21, 21-6 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। पहले गेम में सिंधु को कड़ी टक्कर मिली और मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, लेकिन अनुभव के दम पर उन्होंने गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में सिंधु पूरी तरह छा गईं और आसान जीत के साथ मैच समाप्त किया।

मेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 64 मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 34 एच.एस. प्रणौय ने शानदार जीत हासिल की। उन्होंने वर्ल्ड नंबर फिनलैंड के जे. ओल्डॉर्फ़ को सीधे गेम में 21-18,

21-15 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन निर्णायक पॉइंट्स पर प्रणौय ने बेहतरीन नियंत्रण दिखाया। दूसरे गेम में भी भारतीय शटलर ने लगातार बढ़त बनाए रखी और मैच अपने नाम कर लिया।

मेंस डबल्स के राउंड ऑफ 64 मुकाबले में ताइवान के पी.एच. यांग और के. लियू ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने भारत की जोड़ी आर.के. रेथिनासबापथी और एच. अमसाकरुनन को सीधे गेम में 21-15, 21-5 से हराकर अगला दौर पक्का किया।

पहले गेम में भारतीय खिलाड़ियों ने कुछ हद तक चुनौती दी, लेकिन दूसरे गेम में ताइवान की जोड़ी पूरी तरह हावी रही और एकतरफा जीत दर्ज की। ताइवान जोड़ी का मुकाबला राउंड ऑफ 32 में भारतीय जोशी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग चिराग शेट्टी के साथ होगा।

सिनेमा

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण पर राजस्थान में केस दर्ज

राजस्थान के भरतपुर में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि दोनों कलाकार डिफेक्टिव वाहनों की ब्रांडिंग कर रहे हैं। शिकायत में हुंडई कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर अनसो किम, होल टाइम डायरेक्टर और सीओओ तरुण गर्ग और शोरूम मालिकों के नाम भी शामिल हैं। यह पूरा मामला हुंडई अल्कजार से जुड़ा है। भरतपुर निवासी वकील कीर्ति सिंह की याचिका पर कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। मथुरा गेट थाने में केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कीर्ति सिंह का कहना है कि उन्होंने जून 2022 में 23.97 लाख रुपए की कीमत पर एक कार खरीदी थी। इस वाहन के लिए उन्होंने HDB फाइनेंशियल सर्विसेज से लोन लिया था और बाकी राशि नकद दी थी। 14 जून 2022 को कंपनी ने कार की डिलीवरी दी। वकील का आरोप है कि हाईवे पर ओवरटेक करते समय कार पिकअप नहीं लेती, सिर्फ आरपीएम बढ़ता है और ओडोमीटर पर मालफंक्शन का साइन दिखने लगता है। छह-सात महीने बाद कार में तकनीकी खराबियां और बढ़ गईं। शिकायतकर्ता के अनुसार, एजेंसी ने बताया कि यह समस्या मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट है, जिसका स्थायी समाधान संभव नहीं है। उन्हें सलाह दी गई कि समस्या आने पर कार को सेफ जोन में खड़ा कर 2000 आरपीएम पर एक घंटे तक चलाया जाए, तब इंजन मैनेजमेंट सिस्टम की खराबी का साइन हट जाएगा।

Highlights

1. Case dates back to when Bharadwaj wasn't minister: AAP on ED raids
2. No land or money left to distribute to communities in T'gana: CM
3. '3 people unlawfully claiming Sridevi's property,' claims Boney Kapoor, moves Madras HC
4. US lawyer claims ending visa for Indians will enrich India, says 'Imagine Google Mumbai'

Govt working to ensure benefits of GST rate cuts passed on to consumers

NEW DELHI, (Agency). The government is considering reactivating an anti-profiteering mechanism alongside next month's expected GST rate rationalisation to ensure businesses immediately pass on the benefits of lower GDP rates to consumers, people familiar with the matter said.

The move comes as the GST Council prepares to meet on September 3-4 in New Delhi to discuss the Centre's proposal to slash tax slabs from four to two, potentially making everyday items significantly cheaper ahead of the festive season.

There is a pressing need to reinstate oversight mechanisms because the proposed changes would see 99% of items currently taxed at 12% move to the 5% bracket, while 90% of goods in the 28% slab would shift to 18%—creating substantial scope for businesses to pocket savings rather than reduce prices, people familiar with the matter said. The GST law already provides legal framework for such enforcement through Section 171 of the CGST Act 2017, which allows the central government, on recommendations of the GST Council, to authorise any existing authority to examine whether tax cuts result in commensurate price reductions, the people added.

"The main purpose of rate rationalisation is to provide tax relief to the common man right from this festive season," said MS Mani, partner at Deloitte India. "It means, the impact of GST rate reduction must immediately be transmitted to the buyers of goods and services." Mani warned that while some suppliers would immediately slash prices, others may not pass on benefits immediately or entirely, necessitating "some anti-profiteering mechanism immediately before restoring the erstwhile National Anti-Profiteering Authority (NAA) for some specific period."

The GST Council, chaired by Union finance minister Nirmala Sitharaman and comprising states' finance ministers, will consider the rate restructuring proposal during its two-day meeting.

Narayana Murthy family office is growing cautious of startups in India, and their valuations

MUMBAI, (Agency). The family office of Infosys Ltd. co-founder NR Narayana Murthy is growing cautious on startups in India, amid a rout in valuations and growth pangs.

"Middling startups struggling with growth that don't have a clear path to profitability or aren't making much progress are being sold at discounts of 30-40%," Deepak Padaki, president of Catamaran Ventures LLP told Bloomberg in an interview.

"Funds that invested in these companies want to sell their stake because they are reaching the end of their fund terms," he said. "There may be opportunity for private equity or secondary funds but we do not have the bandwidth to take on companies that need extensive hand-holding for a turnaround."

Catamaran is one of the country's largest private investors, running $1.3 billion for Murthy. While India's startup scene is one of the world's largest, valuations have nosedived for several companies that struggled to grow and as investors ask tougher questions.

For example, SoftBank Group Corp.-backed Oyo Hotels was once among India's most valued startups, worth $10 billion in 2019. But stiff competition has hurt its valuation and earnings. It has since bounced back, but has delayed its stock listing several times.

Venture capital and growth deals surged in India during the pandemic to peak at $38.5 billion in 2021, according to Bain & Co. While enthusiasm fell, deals are still above pre-pandemic levels, recovering slightly in 2024 to hit $13.7 billion. That shows how India's family offices, venture capital firms and ultra high net-worth individuals continue to write checks for early-stage companies and their founders.

राजवाड़ा पर फूंका जीतू पटवारी और राहुल गांधी का पुतला

बीजेपी महिला मोर्चा ने कहा- प्रदेश की मातृशक्ति से माफी मांगे, यह कांग्रेस की दूषित मानसिकता

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा प्रदेश की मातृ शक्तियों पर दिए गए बयान के बाद राजनीति गर्म है। पटवारी ने मध्यप्रदेश की महिलाओं को सबसे ज्यादा शराब पीने वाली बताया है।

इंदौर बीजेपी महिला मोर्चा ने राजवाड़ा पर जीतू पटवारी और राहुल गांधी का पुतला फूंका। नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा ने कहा कि हरतालिका तीज जैसे पावन अवसर पर जब देशभर की महिलाएं श्रद्धा और आस्था के साथ निर्जला व्रत रखती हैं, उस दिन प्रदेशभर कि मातृशक्तियों का अपमान करना कांग्रेस की दूषित

मानसिकता को उजागर करता है।

क्या यही कांग्रेस की महिलाओं के प्रति असली सोच है क्या राहुल गांधी के इशारे पर जीतू पटवारी तीज जैसे पवित्र पर्व पर महिलाओं का घोर अपमान कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति और मातृशक्ति का अपमान करने वाली कांग्रेस की यह संकीर्ण व दूषित सोच प्रदेश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी।

बीजेपी महिला मोर्चा ने मांग की है कि जीतू पटवारी को इस टिप्पणी के लिए सभी मातृशक्तियों से माफी मांगनी होगी। बीजेपी इंदौर मीडिया सह प्रभारी नितिन द्विवेदी ने कहा कि विपक्ष मुद्दों की बजाय महिलाओं को बदनाम करने वाली राजनीति कर रहा है। जो हमेशा से रही कांग्रेस की महिला विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। कभी कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह महिला को टंच माल कहते हैं तो कभी प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने चुनाव के समय कहा था कि महिलाएं 200 ,300 रुपए लेकर पोलके (ब्लाउज) में रख लेती है ये इतने में भी बाज नहीं आते और पूर्व मंत्री रही दलित समाज से आने वाली महिला इमरती देवी पर चाशनी को लेकर ऊलजलूल बयान देते हैं। अब तो इन्होंने हद कर दी है झूठे आंकड़े दिखाकर मध्य प्रदेश की महिलाओं का अपमान करने का कृत्य कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी कर रहे हैं उसके लिए उन्हें प्रदेश की मातृशक्ति से अविलंब माफी मांगनी चाहिए।

सर्वेक्षण में एमपी सबसे पीछे

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (NFHS-5) के मुताबिक, देश में महिलाओं के बीच शराब की सबसे ज्यादा खपत अरुणाचल प्रदेश में है, जहां करीब 26 प्रतिशत महिलाएं शराब का सेवन करती हैं। सिक्किम में यह आंकड़ा 16.2 प्रतिशत है, जबकि असम, तेलंगाना और झारखंड भी शीर्ष राज्यों में शामिल हैं, वहीं, मध्यप्रदेश में केवल 1.6 प्रतिशत महिलाएं शराब पीती हैं, जो राष्ट्रीय औसत से काफी कम है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक